**भारत सरकार**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

**स्‍कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या : 683**

**उत्तर देने की तारीखः 27.07.2015**

**आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में ग्रामीण स्कूलों का सर्वेक्षण**

**683. डा॰ के॰वी॰पी॰ रामचन्द्र रावः**

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास पेयजल और शौचालयों जैसी मूल आवश्यकताओं की दृष्टि से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के ग्रामीण स्कूलों का कोई सर्वेक्षण है; और

(ख) यदि कोई निष्कर्ष हैं, तो वे क्या हैं और सरकार का इस आवश्यकता को किस प्रकार समयबद्ध ढंग से पूरा करने का विचार है?

**उत्तर**

मानव संसाधन विकास मंत्री

**(**श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

**(क) और (ख): एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) राज्‍यों/संघ राज्‍य क्षेत्रों द्वारा अपनायी जाने वाली वह कार्य प्रणाली है, जिसके द्वारा स्‍कूल में कक्षा-कक्षों, शौचालयों की संख्‍या और पेयजल सुविधाओं की उपलब्‍धता जैसी बुनियादी सुविधाओं सहित अनेक शैक्षिक संकेतकों के संबंध में वार्षिक रूप से स्‍कूल-वार आंकड़े एकत्र किए जाते हैं।**

 **सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) कार्यक्रम के आरंभ से 31 मार्च, 2015 तक आंध्र प्रदेश को इस कार्यक्रम के अंतर्गत 6215 पेयजल सुविधाएं, बालकों के लिए 10370 शौचालय, बालिकाओं के लिए 17994 पृथक् शौचालय और सीडब्‍ल्‍यूएसएन के लिए 3045 शौचालय स्‍वीकृत किए गए हैं। इनमें से, 31 मार्च,** **2015 तक 5871 पेयजल सुविधाएं, बालकों के लिए 6870 शौचालय, बालिकाओं के लिए 16239 पृथक् शौचालय और सीडब्‍ल्‍यूएसएन के लिए 3045 शौचालय निर्मित किए जा चुके हैं।**

 **तेलंगाना राज्‍य को एसएसए के अंतर्गत 31 मार्च, 2015 तक 3993 पेयजल सुविधाएं, बालकों के लिए 13608 शौचालय, बालिकाओं के लिए 12061 पृथक् शौचालय और सीडब्‍ल्‍यूएसएन के लिए 1952 शौचालय स्‍वीकृत किए गए हैं। इनमें से, 31 मार्च, 2015 तक 3379 पेयजल सुविधाएं, बालकों के लिए 4449 शौचालय, बालिकाओं के लिए 10854 पृथक् शौचालय और सीडब्‍ल्‍यूएसएन के लिए 1952 शौचालय निर्मित किए जा चुके हैं।**